जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 58 | अंक-20 | जयपुर, सोमवार, 16 मई, 2022 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

मुख्यमंत्री ने 34 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

पूर्ण समर्पण के साथ दी गई सेवा के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है, जिससे उनका धन्यवाद जाहिर कर सकूं

चिकित्सा सुविधाओं व टेलिमेडिसीन सुविधाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

जयपुर (हमारा वतन)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उदयपुर संभाग मुख्यालय स्थित रवींद्र नाथ टैगोर, चिकित्सा महाविद्यालय (आरएनटी मेडिकल कॉलेज) में विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं व टेलिमेडिसीन सुविधाओं के लोकार्पण के साथ अत्याधुनिक वार्ड निर्माण का शिलान्यास कर उदयपुरवासियों को ऐतिहासिक सौगात दी। गहलोत ने लगभग 21.99 करोड़ रूपए के 6 विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों का लोकार्पण एवं 12 करोड़ रूपए की लागत के 1 कार्य का शिलान्यास किया। इसमें करीब 15.26 करोड़ की लागत वाली अत्याधुनिक 3.0 टेस्ला एमआरआई मशीन, 2 करोड़ रूपए की लागत से महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय में ऑटोप्सी ब्लॉक निर्माण, महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय में 2.8 करोड़ रूपए की लागत से 100 बेडेड पीआईसीयू, 1.44 करोड़ की लागत से 50 बेडेड आईसीयू, 50 लाख रूपए की लागत से सैटेलाइट हॉस्पिटल हिरन मगरी उदयपुर में लेबोरेटरी एवं वार्ड निर्माण, छह खनन क्षेत्रों में टेलिमेडिसिन सुविधाओं की शुरूआत आदि कार्यों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही 12 करोड़ रूपए की लागत से महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय में 200 बेडेड प्रि-फेब्रिकेटेड स्ट्रक्चर वार्ड निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया।

नर्सिंग कर्मियों के समर्पण व सेवा के लिए मेरे पास शब्द नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा पूर्ण समर्पण के साथ दी गई सेवा के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है, जिससे उनका धन्यवाद जाहिर कर सकूं। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मियों ने कोरोना काल में जब परिजन भी मरीजों के पास जाने से घबरा रहे थे, उस समय निर्भीक होकर निःस्वार्थ भाव से जो सेवा कार्य किया है, वह सम्मान योग्य है। कोरोना में प्रदेश को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने अपनी महती भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि कोरोना अभी गया नहीं है।

श्री शिरडी साई मंदिर में हुआ भव्य सत्संग समारोह के पोस्टर का विमोचन

जयपुर (हमारा वतन) ईटावा भोपजी स्थित श्री शिरडी साईं मंदिर में भव्य सत्संग समारोह के पोस्टर का विमोचन मंदिर महंत रिटायर्ड कैप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत के कर कमलों से हुआ। आयोजक सुरेश और कांता देवी ने बताया कि कबीर संप्रदाय के श्री सुंदर दास जी चाँवरिया महाराज की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर भव्य सत्संग समारोह 21 मई को रात्रि 9 बजे से जयपुर के शास्त्री नगर में आयोजित किया जाएगा। शाम 7 बजे से भोजन प्रसादी का भी आयोजन होगा। पोस्टर विमोचन के दौरान विनीत कुमार चाँवरिया, हर्ष चाँवरिया, आशु,रोहित, दिनेश कुमावत, अनिल कुमावत, संतोष कुमावत आदि भी मौजूद रहे।

कल्पना सोनी बनी मिस फेयरवेल

लाडनूं (हमारा वतन) जैन विश्वभारती संस्थान विश्वविद्यालय के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में फाइनल ईयर की छात्राओं के विदाई समारोह का आयोजन ऑडिटोरियम में किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। फाइनल ईयर की छात्राओं ने इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। उनके लिए आयोजित कुछ प्रतियोगिताओं के परिणामों में मिस फेयरवेल के रूप में कल्पना सोनी चुनी गई। मिस ब्रेनी अमीषा बनी तथा स्टार ऑफ द डे के रूप में निधि दोलावत का चयन किया गया। प्रतियोगिताओं की निर्णायक डॉ. अमिता जैन, डॉ. सरोज राय व डॉ. आभा सिंह रही। कार्यक्रम में खुशी जोधा, स्नेहा शर्मा, अंजु गोयल, हेमलता टेलर आदि ने अपनी विविध प्रस्तुतियां दी। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर दूगड़ ने छात्राओं से अपने जीवन में सदैव रचनात्मक बने रहने का आह्वान किया। प्राचार्य प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने स्वागत संदेश प्रस्तुत करते हुए छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की और उन्हें यहां प्रदत्त शिक्षाओं को सदैव अपने जीवन में उतारने का संदेश दिया।शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बीएल जैन ने छात्राओं को उनके भावी जीवन के लिए उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में राधिका एवं रूप द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से किया गया। कार्यक्रम के संचालन में सना, आशना, हेमपुष्पा, संतोष ठोलिया, वैष्णवी वर्मा, प्रियंका, पूनम, आस्था ने अपना योगदान दिया। फोटोग्राफी का कार्य कुसुम एवं भावना चैधरी द्वारा किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में योगिता जांगिड, आकांक्षा शर्मा, करिश्मा सोनी, ममता अग्रवाल, निधि चोरड़िया आदि ने भूमिका निभाई।

आयोजन में डा. प्रगति भटनागर, अभिषेक शर्मा, श्वेता खटेड़, डॉ. विनोद सैनी व प्रेयस सोनी ने सहयोग किया। प्रो. रेखा तिवारी, प्रगति चैरड़िया, देशना चारण, डा. विनोद सियाग, प्रमोद ओला एवं अन्य समस्त स्टाफ भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

देवथला के नवनिर्मित शिवालय में हुई शिव पंचायत और हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना

जयपुर (हमारा वतन) पंचायत समिति गोविंदगढ़ कि ग्राम पंचायत देवथला के सामने स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में नवनिर्मित शिवालय में शिव पंचायत और हनुमान जी की मूर्ति की पूर्ण विधि-विधान से पूजा अर्चना कर प्राण प्रतिष्ठा की गई। इससे पहले कलश यात्रा निकालकर श्रीमद् भागवत कथा का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री श्री 108 गोकुलदास जी महाराज के शिष्य और मंदिर महंत श्री श्री बालकदास जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रेरणा स्रोत रामबाबू भारद्वाज ने बताया कि शिवालय के निर्माण और मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के लिए नेपाल के काठमांडू निवासी मांगीलाल सौगना जो कि देवथला ग्राम के मूल निवासी हैं उनको प्रेरित किया और उन्होंने एक ही बार में हां कर दी। जिसके कारण ही आज शिवालय का निर्माण हुआ है। कार्यक्रम समापन के दिन विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस दौरान श्रीकांत भारद्वाज, दीपक शर्मा ,गोलू शर्मा, लाला खोस्या, मुरलीधर,देवेन्द्र सौगना,दीपक सौगना, काना शर्मा, कैलाश, रतन आदि ग्रामीण लोग भी मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस पर विराज फाउंडेशन ने किया नर्सिंग कर्मियों को सम्मानित

चौमूं (हमारा वतन) विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौमूँ में प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी व पदाधिकारीयों के द्वारा 40 नर्सिंग कर्मियों का माल्यार्पण व अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष तिवाडी ने बताया कि नर्सिंग कर्मियों के द्वारा कोरोना वैश्विक महामारी में इनका कार्य अद्वितीय व सराहनीय योगदान रहा। इन्होंने रात दिन एक कर मरीजों की जान बचाई है।

इस दौरान प्रदेश महासचिव बनवारी लाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएम सैनी, जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, जिलाध्यक्ष (व्यापार प्रकोष्ठ) नारायण लाल शर्मा, चौमूँ नगर अध्यक्ष डॉ सीताराम कुमावत, डॉ अजीत सिंह शेखावत, डॉ अनिल सेन, डॉ मुखराम देवन्दा, डॉ सुरेश जांगिड़, डॉ मान प्रकाश सैनी, डॉ रवि कुमावत आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

चौमूं का इतिहास

गतांक से आगे.....

जयपुर शहर से लगभग 33 किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में वर्तमान चौमूं कस्बा स्थित है। यहां निर्मित जमीनी किला जिसके चारों और विशाल नहर भी बनी हुई है, जो चौमुंहागढ़ या धाराधार गढ़ भी कहलाता है, बना हुआ है । किले के चारों और वर्तमान परकोटे एवं परकोटे के बाहर चारों तरफ आबादी बसी हुई है । किले का निर्माण नाथावत वंश के ठाकुर करण सिंह द्वारा संवत 1652-54 (1595 - 1597 ईस्वी) के लगभग अपने गुरु संत बेणीदास के आशीर्वाद से बनवाया गया था । कालांतर में यहां के ठाकुर रघुनाथ सिंह द्वारा दुर्ग में कई बुर्जे एवं भवन आदि बनवाए गए । उनके शासनकाल में इस दुर्ग को नाथ गढ़ भी कहा जाता था । वास्तव में किला ढलान वाली जमीन पर बनवाया गया था । अपनी महत्वपूर्ण सामरिक स्थिति के कारण इस को जागिरी ठिकानों के किलो में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है । किले के अंदर भव्य और आलीशान महल बने हुए हैं । शिल्प और स्थापत्य की दृष्टि से इन महलों में ढूंढाढ शैली के प्रतिनिधि सजीव और कलात्मक भित्ति चित्र बने हुए हैं । इन महलों में विशेषकर देवी निवास महल जयपुर के अल्बर्ट हॉल की प्रतिकृति की तरह लगता है । चौमूं गढ़ में मंगल पोल पर गणेश जी का मंदिर बना हुआ है एवं हाथियों के ठाण के पास मोहनलाल जी का मंदिर बना हुआ है । किले के सामने सीताराम जी का मंदिर है ।

प्रिंस कुमार उप्पल (मुद्राशास्त्री) निदेशालय,पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग-जयपुर

....शेष अगले अकं में

पुरुषोत्तम शर्मा ब्राह्मण रत्न से हुए अलंकृत

जयपुर (हमारा वतन) सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात जिला अध्यक्ष आदित्य नगर चौमूं निवासी पुरुषोत्तम शर्मा का उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों एवं अध्ययन काल से अब तक लगातार 20 वर्षों से निरंतर जनकल्याणकारी कार्यों मैं सहभागिता के लिए चेंबर भवन में आयोजित ब्राह्मण रत्न सम्मान समारोह में राजस्थान के शिक्षा मंत्री बी.डी़ कल्ला, सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ,डिप्टी डायरेक्टर डीपीआर गोविंद पारीक ने ब्राह्मण रत्न से अभिनंदन किया ।

गौरतलब है कि पुरुषोत्तम शर्मा जीवन सुरक्षा एवं पर्यावरण रक्षा संस्था के माध्यम से विगत 20 वर्षों से रक्तदान शिविर, निशुल्क चिकित्सा एवं जांच शिविर ,विशेष योग्यजन शिविर ,वृक्षारोपण ,जल संरक्षण जागरूकता अभियान ,पक्षियों के लिए परिंडा लगाओ अभियान, कोरोना योद्धा सम्मान , प्रतिभा सम्मान समारोह ,प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विभिन्न संगोष्ठी,आयोजन सहित एक हजार से अधिक जन कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन कर चुके हैं । सामाजिक स्तर पर पुरुषोत्तम शर्मा ने सरकारी भर्ती में सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों की आयु सीमा में बढ़ोतरी, परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश, सामान्य वर्ग के लिए आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करवाने एवं राजस्थान में ईडब्ल्यूएस की पात्रता में केवल 800000 रुपए वार्षिक सालाना आय को एक मात्र मापदंड घोषित करवाने, विप्र कल्याण बोर्ड के गठन की मांग को सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने में सक्रिय भूमिका निभाई थी। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद मिश्रा ,जिला कोषाध्यक्ष गजानंद शर्मा ,उपाध्यक्ष निखिल तिवारी सहित हजारों विप्र बंधु उपस्थित रहे ।

राजस्थानी फिल्म 'प्यारो बाबुल' 20 मई को होगी रिलीज़

जयपुर (हमारा वतन) राजस्थानी सिनेमा में एक बार फिर से जान फूंकने को तैयार राजस्थानी फिल्म प्यारो बाबुल 20 मई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी । ट्रेलर के रिलीज़ होने पर सिर्फ 1 घंटे में हजार से ज्यादा लोगों नेपसंद किया था । इससे लगता है कि राजस्थानी फिल्मों का दौर अभी गया नहीं है । राजस्थान के लोगों में अभी भी राजस्थानी फिल्मों की लालसा जागृत है। लोग राजस्थानी फिल्मों को देखना चाहते हैं । एस के सिल्वर स्क्रीन एंटरटेनमेंट बैनर टेल निर्मित सम्पूर्ण पारिवारिक राजस्थानी फिल्म प्यारो बाबुल एक पिता और बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द बुनी गई है । फिल्म में एक पिता के प्यार और बलिदान को दर्शाया गया है । पिता बिखरते परिवार और सामाजिक तानों को सहकर भी बिखरने से बचाने की कोशिश करता है । फिल्म में मनोरंजन के साथ पारिवारिक रिश्तो को विशेष रूप से दर्शाया गया है ।

फिल्म के निर्देशक सामीर खान, निर्माता सैय्यद हारून अली, राधा कृष्ण टांक, मलाराम, गुमान राम देवड़ा, गीतकार अकबर अली जोधपुरी, संगीत दलपत डांगी, अमजद अली एंड विंस ग्रुप, शब्बीर शेख, विशाल खान, एडिटर जेडी सिंह है ।

फिल्म के मुख्य कलाकार -सामीर खान, अली खान, वसीम अख्तर, तोशिबा खान, सोनम तिवारी, मोइन खान, रेखा यादव, सैंडी सिंह, उस्मान अब्बासी हैं ।

निर्देशक सामीर खान ने बताया कि 20 मई को राजस्थान के सिनेमाघरों में प्यारो बाबुल फिल्म को रिलीज किया जाएगा ।सभी राजस्थानी फिल्म को पूरा सपोर्ट करें ।

फैशन के इस दौर में खादी जीत रही है दिल

नई दिल्ली (हमारा वतन) खादी की बढ़ती लोकप्रियता का आलम ऐसा है कि पिछले साल गांधी जयंती के मौके पर दिल्ली स्थित खादी इंडिया के इकलौते स्टोर ने 1 करोड़ रुपये ज्यादा की बिक्री कर ली थी । हालिया समय में खादी की लोकप्रियता और स्वीकार्यता तेजी से बढ़ी है । अब लोग इस तरह से खादी के कपड़ों को पसंद करने लगे हैं कि ये एक बड़ा ब्रांड बनकर उभरा है ।इसका अंदाजा खादी की लगातार बढ़ रही बिक्री से साफ-साफ लगता है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर खादी के कपड़ों में दिख जाते हैं और वह बार-बार इसे बढ़ावा देने का प्रयास करते रहते हैं । महात्मा गांधी ने खादी को भारत की आजादी की लड़ाई का हथियार बनाया था । इस कारण भी खादी का प्रतीकात्मक और राजनीतिक महत्व है।

कनॉट प्लेस स्थित खादी इंडिया का फ्लैगशिप स्टोर साल 2018 के बाद से हर बार 2 अक्टूबर पर 1 करोड़ रुपये से ज्यादा के खादी के सामानों की बिक्री कर रहा है ।

फिर खुला राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोर्टल

जयपुर (हमारा वतन) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में नाम जुड़वाने जो लोग रह गए है, उनके लिए अच्छी खबर है। राज्य सरकार ने हक्स पोर्टल को एक बार फिर से खोल दिया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी किए है। आदेशों के मुताबिक पात्रता रखने वाले परिवार 28 मई तक नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे पहले सरकार ने नाम जुड़वाने के लिए पोर्टल को करीब 4 साल बाद पिछले महीने अप्रैल में खोला था। तब आवेदनों की संख्या ज्यादा आने और पोर्टल पर तकनीकी खराबी होने के कारण कई लोग आवेदन करने से रह गए थे। उस समय सरकार ने पोर्टल को 3 दिन अतिरिक्त समय देते हुए खोला था, लेकिन उन 3 दिन में भी बड़ी संख्या में आवेदन आने और ई-मित्र के सर्वर में प्रोबल आने के कारण लोग आवेदन करने से रह गए थे। जानकारी के लिए आपको बता दें कि एनएफएस में जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को सरकार 2 रुपए किलो की कीमत से राशन की दुकान से हर महीने गेंहू उपलब्ध करवाती है। हर व्यक्ति को एक महीने में 5 किलो गेंहू सरकार देती है। कोविडकाल में केन्द्र सरकार ने इस गेंहू की मात्रा को 5 से बढ़ाकर 10 किलोग्राम कर दिया था, जो इस साल अक्टूबर तक मिलेगा।

नर्स से ऑनलाइन ठगी: एनी डेस्क ऐप करवाकर डाउनलोड, लिंक भेजकर अकाउंट से निकाले 50 हजार

जयपुर (नि.सं.)। जयपुर में SDMH हॉस्पिटल की नर्स से 50 हजार रुपए ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। कस्टमर केयर पर कॉल करने पर उसे एनी डेस्क ऐप डाउनलोड करवाकर ठगी की गई है। गांधी नगर थाना पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गँवईयत अच्छी लगी

माँ को न शहर अच्छा लगा न
न शहर की शहरियत अच्छी लगी
वो लौट आई गाँव
वाले बेटे के पास
के उसे गाँव की
गँवईयत अच्छी लगी
ममता भी माँ से थोड़ी
अनजान हो गई
माँ शहर वाले बेटों के
यहाँ जब मेहमान हो गई
गाँव वाला बेटा जब ले
आया माँ को घर,
तो गलियाँ, खिड़कियां,
नीम की छइयाँ
सब के सब मकान हो गई
माँ को उसके मन की
वसीयत अच्छी लगी
वो लौट आई गाँव वाले
बेटे के पास
के उसे गाँव की
गँवईयत अच्छी लगी
खुदा ने खुद को जब
खुद सा बनाना चाहा
उसने ये प्रयोग हर माँ पर
आजमाना चाहा
वो जानता था के माँ उससे
भी बड़ी है
बस इस बात को दुनिया
को बताना चाहा
उसे हर एक दौर में माँ
की नीयत अच्छी लगी
वो लौट आई गाँव वाले
बेटे के पास
के उसे गाँव की
गँवईयत अच्छी लगी
शहर और गाँव का ताल्लुक
उसे अब अच्छा नहीं लगता
शहर का बच्चा भी अब
उसे बचपने से बच्चा नहीं लगता
उसके कान में मन ने
ऐसी बात कह दी के,
न उसे आदमी अच्छा लगा
न उसकी कैफियत अच्छी लगी
वो लौट आई गाँव वाले
बेटे के पास
के उसे गाँव की गँवईयत
अच्छी लगी

सिद्धार्थ गोरखपुरी

परवरिश

होता मुश्किल है बहुत
परवरिश करना
बच्चों को पालना
बड़ा करना
उन्हें पढ़ाना
लोगों की
पहचान कराना
ऊंच-नीच का
भेद सिखाना
होता मुश्किल है बहुत
परवरिश करना

है मुश्किल कर्तव्य
माता पिता के
बच्चों को निश्चित
आकार माँ-बाप देते
क्या करें और
क्या ना करें समझाते
होता मुश्किल है बहुत
परवरिश करना

मोमबत्ती बन
स्वयं को जलाना होता है
बच्चों के चरित्र को
प्रकाशित करना होता है
समाज से कदमताल
करना सिखाना होता है
बच्चों को बुराई से
बचाना होता है
होता मुश्किल है बहुत
परवरिश करना

बर्तन गढते
कुम्हार लगाता थाप
बढ़ई देता
छिल छिल कर
लकड़ी को आकार
लुहार लोहे को भी
मोड़ देता
हथौड़ा मार कर
बच्चे बनते योग्य
माता पिता की
सीख पाकर
होता मुश्किल है बहुत
परवरिश करना

डॉ.योगिता जोशी 'अनुप्रिया'

हम हो सजग

पर्यावरण के प्रति हम हो सजग।
तो छाये हरियाली चहुंमुखी गज़ब।
आओ मिल हम पेड़ लगायें।
वसुंधरा पर हरियाली लाएं।
सुंदर कोकिला कुहू कुहूकाये।
पुष्प - मंजरी मधुकर गुंजायें।
परिदृश्य जिसका होगा अजब।
पर्यावरण के प्रति हम हो सजग...।
दरख्तों से जब हरियाली होगी।
फैले वन-वाटिका खुशबू सौंधी।
जीवंतता में हो गहरा परिलाभ।
भाग्य चमके बन मानो आफ़ताब।
नित जनजीवन की हो पूरी तलब।
पर्यावरण के प्रति हम हो सजग...।
स्वप्निल भविष्य अपना देख।
मनुज हितार्थ करें कुछ नेक।
जैवमंडल संरक्षित लक्ष्य हो एक।
सुखद परिणाम हो तब अनेकानेक।
जीवन सबका हो बस पूर्ण अदब।
पर्यावरण के प्रति हम हो सजग.....।

महेन्द्र सिंह कटारिया (सीकर) राजस्थान

जॉब्स

1. राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी), पद व्याख्याता संस्कृत विभाग, पद संख्या 102, अंतिम तिथि 14 जून 2022
2. स्टाफ सिलेक्शन कमीशन (एसएससी) पद विभिन्न, पद संख्या 2065, अंतिम तिथि 15 जून 2022
3. इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी), पद एग्जीक्यूटिव, पद संख्या 650, अंतिम तिथि 20 मई 2022
4. भारतीय डाक विभाग, पद ग्रामीण डाक सेवक (जीडीएस), पद संख्या 38926, अंतिम तिथि 5 जून 2022
5. आईसीएआर इंडियन एग्रीकल्चर रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएआरआई), पद असिस्टेंट, पद संख्या 462, अंतिम तिथि 1 जून 2022
6. उत्तर प्रदेश एनएचएम, पद मिडवाइफरी एजुकेटर, पद संख्या 18, अंतिम तिथि 22 मई 2022
7. ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी), पद अप्रेंटिस, पद संख्या 3614, अंतिम तिथि 22 मई 2022
8. इंडियन ईस्टर्न रेलवे, पद अपरेंटिस, पद संख्या 2972, अंतिम तिथि 20 मई 2022

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

अब राजस्थान में सबके लिए

नि:शुल्क इलाज

"स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च प्रत्येक परिवार की सबसे बड़ी चिंताओं में से एक है। राजस्थान सरकार ने एक मानवीय पहल करते हुए **मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना** प्रारंभ की है जिससे सभी प्रदेशवासियों को **नि:शुल्क** बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं।

इस योजना के अंतर्गत सरकारी एवं निजी अस्पतालों में हार्ट, कैंसर, न्यूरो, कोविड, ब्लैक फंगस जैसी गंभीर बीमारियों एवं कॉकलियर इम्प्लांट, बोन-मैरो ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट, हार्ट ट्रांसप्लांट, लीवर ट्रांसप्लांट, घुटना प्रत्यारोपण और डायलिसिस जैसे महंगे इलाज भी नि:शुल्क उपलब्ध करवाये जा रहे हैं।

मुझे प्रसन्नता है कि अब तक प्रदेश में 12 लाख से अधिक मरीजों ने इस योजना के अंतर्गत लगभग 1400 करोड़ रुपये के नि:शुल्क इलाज का लाभ प्राप्त किया है। प्रदेशवासियों को स्वास्थ्य का अधिकार प्रदान करने के दिशा में यह हमारा एक विनम्र प्रयास है। मैं आशा करता हूँ कि राजस्थान की तरह प्रत्येक देशवासी को इसी प्रकार नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों।"

अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री, राजस्थान

हैल्थकेयर का राजस्थान मॉडल

मुख्यमंत्री
चिरंजीवी
स्वास्थ्य बीमा योजना

राजस्थान के हर परिवार को
₹10 लाख
का **नि:शुल्क** स्वास्थ्य बीमा

साथ में
₹5 लाख
का दुर्घटना बीमा

एवं

सरकारी अस्पतालों में
ओपीडी एवं आईपीडी
दवा जांचें सहित पूर्ण इलाज **नि:शुल्क**

• प्रदेश का कोई भी परिवार योजना से जुड़ सकता है •

• कर्मचारियों और पेंशनर्स परिवारों को CGHS की तर्ज पर RGHS की कैशलेस इलाज की सुविधा •

पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए विभाग की वेबसाइट http://chiranjeevi.rajasthan.gov.in देखें या 181/18001806127 पर फोन करें

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विज्ञापन

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965 ہمارا وطن ہفت روزہ
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

क्यों घाटे में चल रही हैं यूनिवर्सिटीज?

क्या हमारे विश्वविद्यालय जानबूझकर जकड़बंदी की स्थिति में रखे गए हैं? 2012 से उच्च शिक्षा पर खर्च 1.3 से 1.5 फीसदी पर स्थिर रहा है। दिलचस्प है कि इस दौरान शिक्षा मंत्रालय उच्च शिक्षा संस्थानों को आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए

राम गोपाल सैनी

दस फीसदी का कोटा लागू करने के लिए अपनी सेवा क्षमता 25 फीसदी बढ़ाने को कहता रहा है, जबकि वित्त मंत्रालय शिक्षण के लिए नए पदों के सृजन पर रोक का राग आलाप रहा है। केंद्रीय स्तर पर छात्रों को मिलने वाली वित्तीय मदद वित्त वर्ष 2021-22 में 2,482 करोड़ रुपये से घटाकर वित्त वर्ष 2022-23 में 2,078 करोड़ रुपये कर दी गई। इस दौरान अनुसंधान और नवाचार के लिए वित्तीय आवंटन में भी आठ फीसदी की कमी आई है।दरअसल, तमाम बड़े शिक्षण संस्थान कई तरह के संकटों से घिरे हैं। विश्वविद्यालय स्तर पर वित्तीय संकट, संकाय के लिए अनुसंधान के अवसरों में कमी, खराब बुनियादी ढांचे और छात्रों के लिए सीखने के सिकुड़ते अवसर से स्थिति खासी दयनीय हो गई है। देश के ज्यादातर विश्वविद्यालय, आईआईटी और आईआईएम का बुनियादी ढांचा खस्ताहाल है। सभी जगह कक्षाओं में क्षमता से ज्यादा छात्र हैं, आबोहवा और स्वच्छता के मामले में स्थिति बदतर है। छात्रावासों की भी स्थिति अच्छी नहीं है। उच्च शिक्षा अनुदान अजेंसी (एचईएफए) ने वित्त वर्ष 2020-21 में अपने बजट को 2000 करोड़ रुपये से घटाकर वित्त वर्ष 21-22 में एक करोड़ रुपये कर दिया और अब वित्त वर्ष 2022-23 के लिए महज एक लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। विश्वविद्यालयों को कर्ज लेने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यूजीसी को वित्त वर्ष 2021-22 के 4693 करोड़ रुपये के मुकाबले 2022-23 में 4,900 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। जो सूरत है, उसमें देश के ज्यादातर विश्वविद्यालय घाटे में चल रहे हैं। मद्रास विश्वविद्यालय ने 100 करोड़ रुपये से अधिक का संचित घाटा देखा और वह राज्य सरकार से 88 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त करने के लिए मजबूर हुआ। दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेजों में वित्तीय कमी देखी जा रही है। राज्य द्वारा आवंटन आधे से भी कम हो गया है। मसलन, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज को 2021 में 42 करोड़ रुपये की दरकार थी, जबकि उसे आवंटित किए गए 28 करोड़ रुपये।

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन वीकली के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।
- सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

दया दृष्टि फाउंडेशन द्वारा स्वस्थ मां पर हुई चर्चा

जयपुर (हमारा वतन) स्वस्थ मां स्वस्थ परिवार विषय पर आज EHCC अस्पताल में महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने हेतु दया दृष्टि फाउंडेशन द्वारा टॉक शो का आयोजन किया गया। डाक्टर शैलेष जैन व डॉक्टर मीनाक्षी गौड़ ने महिलाओं को स्वस्थ रहने ,समय पर जाँच कराने तथा अपनी परेशानियों के प्रति लापरवाह नहीं रहने की सलाह दी । समय पर डॉक्टर से सलाह व जाँच आगामी बडी परेशानियों को टाल सकती है। मीनूपांज के समय होने वाले शारीरिक परिवर्तनों को भी नजरंदाज न करें और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ ।

दया दृष्टि फाउंडेशन से पूनम खंगारोत, शिखा शर्मा व अलका चौधरी ने डॉक्टर तथा आगंतुक महिलाओं का आभार प्रकट किया ।

टीम दया दृष्टि से शालिनी माथुर,प्रतिभा शर्मा,निशा बंसल आदि लगभग 100 महिलाओं ने कार्यक्रम में शिरकत की। मीनाक्षी सिदावत व आरती जैन ने फाउण्डेशन सदस्यों व आगंतुको को प्रोत्साहन प्रदान किया ।

राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास आयोग में सात अस्थाई पद स्वीकृत

जयपुर (नि.सं.)। राज्य सरकार ने एक आदेश जारी कर राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग वित्त एवं विकास आयोग में 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक के लिए 7 विभिन्न अस्थाई पदों की स्वीकृति प्रदान की है।

हमारा वतन
खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।
Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

अभिनेता सनी देओल के साथ दिखेंगी वरिष्ठ अभिनेत्री उषा श्री

जयपुर (हमारा वतन) बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता सनी देओल के साथ जयपुर की वरिष्ठ अभिनेत्री और नृत्य गुरु उषा श्री स्क्रीन शेयर करती हुई नजर आएंगी ।जानकारी के अनुसार राजस्थान के विभिन्न इलाकों में सनी देओल की हिंदी फ़ीचर फिल्म सूर्या की शूटिंग हो रही है,जो जल्द ही तैयार होकर सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी ।गौरतलब है कि इससे पहले भी उषा

श्री ने कई राजस्थानी और हिंदी फिल्मों में अपने अभिनय की दमदार छाप छोड़ी है ।

आज की राजनीति : सेवा या सत्ता

आज भारतीय राजनीति के शब्दकोश से सेवा शब्द का लोप हो गया है और सत्ता अहम हो गई है । सत्ता हासिल करने के बाद उसे चिरंजीवी बनाने के अथक प्रयास शुरू कर दिए जाते हैं । आज की राजनीति के पुरोधा न तो उन्हें सत्ता की कुर्सी तक पहुंचाने वालों की चिंता करते हैं और ना ही उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश करते हैं । एक बार सत्ता प्राप्त हो जाने के बाद उन्हें सत्ता के सिंहासन तक पहुंचाने वाले कहां हैं किस हाल में हैं , इससे किसी को कोई सरोकार नहीं रहता । 5 साल बाद चुनाव आने पर फिर उन्हें वोटरों की याद आती है, तब हर तरीके के प्रलोभन से अपनी सत्ता को दीर्घजीवी बनाने के प्रयास शुरू हो जाते हैं ।

आमजन की आर्थिक परेशानियां और उनके हाथ से दूर होती जा रही रोटी कि आज तक कोई चिंता नहीं की गई । क्या वोटर की दैनिक जिंदगी से जुड़े मुद्दे चुनावी मुद्दे नहीं बन सकते ? आश्चर्य है कि आज के राजनेता आमजन की रोजमर्रा की समस्याओं से पूरी तरह वाकिफ होते हुए भी सिर्फ चुनावी वादों तक सीमित होकर रह जाती हैं ।

आजादी के तत्काल बाद के नेताओं ने आजादी का श्रेय आम जनता को दिया था और करीब तीन दशक तक तत्कालीन नेताओं ने अपने वोटरों की चिंता भी की थी । इसके बाद इन आधुनिक भाग्यविधाताओं ने आमजन को उनके भाग्य पर छोड़ दिया और हर 5 साल बाद चुनावी मौसम के समय ही याद आते हैं ।

दुनिया विगत ।5 सालों में कहां से कहां तक पहुंच गई पर यह विडंबना ही है भारतीय राजनीति आज भी पांचवें छठे दशक पर ही स्थित है । हमारे देश के मतदाता भी उसी लीक पर चल रहे हैं , उन्होंने भी समय के अनुसार स्वयं को बदलने या राजनेताओं की सोच को बदलने का कोई प्रयास नहीं किया । अब तो आज की राजनीति में जाति, धर्म का जो प्रवेश कराया गया है यह देश ही नहीं आमजन के लिए भी किसी महामारी से कम नहीं है ।

आज चुनावी टिकट जातीय आधार पर दिए जाते हैं, जातीय आधार पर वोट मांगे जाते हैं और जातीय आधार पर ही सत्ता में मंत्रियों का चयन होता है । आज की राजनीति में धर्म का जो ज़हर समाहित हो गया है, उसे भविष्य में हमारे देश की दिशा और दशा क्या होगी ,यह कल्पना से परे है ।

किशन गिरी गोस्वामी

आज सबसे बड़ी चिंता यह है कि विधानसभा और संसद अपराधियों से भरी पड़ी है । इस चयन को रोकने में सुप्रीम कोर्ट, चुनाव आयोग तथा सरकारें अब तक असफल रहे हैं ।

पहले हमारे संविधान में कोर्ट में आपराधिक मामलों में लिप्त व्यक्ति को चुनाव लड़ना प्रतिबंधित था । किंतु बाद में राजनेताओं ने अपनी सरकारों के माध्यम से इसे संशोधित करवाकर इसमें न्यायालय में दोषी शब्द जुड़वा लिया । अब न तो कोर्ट से फैसले आप आते हैं और न ही अपराधियों का चुनाव लड़ना बंद हो पा रहा है । इसी कारण आज संसद और विधानसभाओं में गंभीर अपराधियों, हत्या व बलात्कार के दोषियों की भरमार हो गई है । देश में आज मुख्य चिंता का विषय यह है कि इस तरह हमारा देश व राजनीति कब तक चलते रहेंगे ? यह सब हमारे आधुनिक भाग्य निर्माताओं पर निर्भर है । यदि वे इस चलन को रोकने की ठान लेते हैं तो यह दूषित चलन रातों-रात ठीक हो सकता है । पर गंभीरता से सोचें कि क्या सत्ता लोलुप राजनीति में यह संभव हो सकेगा ?

Mohan Lal Jitarwal
Jaisingh Jitarwal
मोनिका प्रिन्टर्स
WE DESIGN , PRINT & PROMOTE...YOU !
थाना मोड़, चौमूँ
फ्लैक्स / विनायल | ऑफसेट प्रिन्टिंग | पोस्टर / पम्पलेट | बिल-बुक | लेटर हेड
शादी कार्ड | सवामणी कार्ड | स्क्रीन प्रिन्टिंग | विजिटिंग कार्ड | आई - कार्ड
हमारे यहाँ प्रिन्टिंग से सम्बन्धित सभी कार्य उचित रेट पर किये जाते है
तथा चुनाव से सम्बन्धित सामग्री उचित रेट पर तैयार की जाती है ।
एक बार सेवा का मोका अवश्य दें
Contact Us: 9785850646, 8946910073, 7610022192
monikaprinters68@gmail.com

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा